MPPSC MAINS DETAIL EXPLANATION (19.10.2022)

PAPER-I (PART A) HISTORY

M - 2019

3 MARKER

1. हेलिओडोरस स्तंभ

- हेलिओडोरस स्तंभ भारत के मध्य प्रदेश के **विदिशा जिले** में स्थित **पत्थर से निर्मित प्राचीन स्तम्भ** है।
- इसका निर्माण **हेलिओडोरस** ने कराया था जो **भारतीय-यूनानी राजा अंतलिखित** के **शुंग राजा भागभद्र के दरबार में दूत थे।**

2. सोहावल का नरसंहार

- 19 जुलाई को **सोहावल** (बघेला राजवंश की रियासत) में **लाल बुद्ध प्रताप सिंह** के नेतृत्व में एक सभा आयोजित करने की योजना बनाई गई थी।
- हालांकि, सभा होने से पहले ही, **सिंह और उनके आदमियों** की **माजान गांव** के पास **ब्रिटिश अधिकारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी।**
- इस घटना को **माजन गोलीबारी कांड** भी कहा जाता है।

3. दिमान देशपत बुन्देला

- वह **महाराजा छत्रसाल** के परिवार से थे।
- **दिमान देसपत बुन्देला** ने **1857-58** में भी **ब्रिटिश सैनिकों को कड़ी टक्कर दी** और **तात्या टोपे की मदद के लिए बंदूकधारियों को भेजा।**
- देशपत इतने शक्तिशाली हो गए कि **ब्रिटिश प्रशासन ने 5,000/- रुपये का इनाम घोषित कर दिया।** एक लंबी लड़ाई के बाद **1862 में वीर देशपत मारे गए।**

4. साहित्य अकादमी पुरस्कार

- साहित्य अकादमी पुरस्कार **1954 में स्थापित किया गया था**, जो **24 प्रमुख भारतीय भाषाओं** में से किसी में प्रकाशित सबसे **उत्कृष्ट साहित्यिक पुस्तकों के लेखकों को वार्षिक रूप** से प्रदान होता है।

5. गीत-फरोश

- गीत फरोश **भवानी प्रसाद मिश्र** का **काव्य संकलन** है।
- इस संकलन से पहले **1951** में **'प्रतीक' पत्रिका** में प्रकाशित **गीत-फ़रोश कविता** का **प्रारंभिक हिंदी कविताओं में महत्वपूर्ण स्थान है।**
- उनकी अधिकांश कविताएँ **प्रकृति के वर्णन** से संबंधित हैं।

6. केवड़ा स्वामी भैरवनाथ मंदिर

- यह **अग्रमालवा** के प्रसिद्ध **मोटासागर तालाब** पर स्थित है, यहाँ की मूर्ति अद्वितीय है और **एक विशाल पेड़ के तने में स्थित है**।
- यह **केवड़ा फूलों का बगीचा है।** ऐसा माना जाता है कि **इस मूर्ति की स्थापना 1424** में **गुजरात के राघौ देव** ने की थी।

7. लांजी किला

- **लांजी किला** बालाघाट जिले में स्थित एक **ऐतिहासिक धरोहर** है।
- लांजी को पहले **लांजिका** के नाम से जाना जाता था, और **रत्नापुर के कलचुरियों** की एक शाखा द्वारा शासित था।
- इस किले का निर्माण **गोंड राजाओं** ने करवाया था।
- मुगल काल के दौरान, यह एक महल (प्रशासनिक प्रभाग) था, जैसा कि **आइन-ए-अकबरी** में वर्णित है।

8. दगोना वाटरफाल

- मध्य प्रदेश के **डिंडोरी में स्थित** डगोना जलप्रपात एक बहुत ही आकर्षक स्थान है।
- घने जंगलों से घिरी डगोना बेहद **खूबसूरत और शांत जगह है।**
- यह **बुढ़नेर नदी** के तट पर स्थित है।

9. ऊन

- यह मध्य प्रदेश के **खरगोन जिले में स्थित है।**
- यह स्थान **परमार-कालीन शिव-मंदिर और जैन मंदिरों के लिए प्रसिद्ध है।**
- यहां एक **अति प्राचीन लक्ष्मी-नारायण मंदिर** भी स्थित है।
- खजुराहो के अलावा यह परमार काल का एकमात्र प्राचीन मंदिर है।

10. चंदेरी साड़ियाँ

- चंदेरी **सदी पुरानी बुनाई तकनीक है** जो तीन प्रकार के कपड़े बनाती है - **चंदेरी रेशम**, **शुद्ध रेशम** और **चंदेरी कपास।**
- यह अपनी **चमकदार पारदर्शिता और सरासर बनावट** के लिए जाना जाता है।
- इसकी **उत्पत्ति चंदेरी से हुई** है, जो भारत में मध्य प्रदेश राज्य के **अशोकनगर जिले** में **ऐतिहासिक महत्व का शहर** है।

11. अखिल भारतीय कालिदास समारोह

- **अखिल भारतीय कालिदास समारोह** मध्य प्रदेश के **उज्जैन शहर** में हर साल आयोजित होने वाला **सात दिवसीय उत्सव** है।
- अखिल भारतीय कालिदास समारोह **साहित्यिक दिग्गज कालिदास का स्मरणोत्सव है।**
- यह कलाकारों के लिए **कविता, कहानियों, नाटकों** और **अन्य सांस्कृतिक प्रदर्शनों** में प्रदर्शन और संलग्न होने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है।

12.मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड

- **मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड** का गठन **राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने** और **निजी क्षेत्र के माध्यम से भी पर्यटन के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने** के उद्देश्य से किया गया है।
- मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड का **मुख्यालय भोपाल** में है।

13.राई नृत्य

- राय बुंदेलखंड क्षेत्र का एक **लोक नृत्य** है जो **शादियों और त्योहारों** पर किया जाता है।
- अंग्रेजी में राय का मतलब **मस्टर्ड सीड (सरसों के बीज)** होता है। जिस प्रकार तश्तरी में सरसों के दाने इधर-उधर झूलते हैं, उसी प्रकार **नगड़िया, ढोलक, झीका, मंजीरा आदि की थाप पर** नर्तक भी नाचते हैं।

14.माखनलाल चतुर्वेदी

- **पंडित माखनलाल चतुर्वेदी** एक भारतीय **कवि, लेखक** और **स्वतंत्रता सेनानी** थे, जिन्हें **हिंदी साहित्य के नव-रूमानियत आंदोलन** के जनक के रूप में जाना जाता है।
- उन्हें उनके काम **हिम तरंगिनी** के लिए **हिंदी** में **प्रथम साहित्य अकादमी पुरस्कार** से सम्मानित किया गया था।

15.युनेस्को विश्व विरासत स्थल

मध्य प्रदेश में तीन स्थलों को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया है:

- **खजुराहो स्मारक समूह, छत्तरपुर (1986)**
- **साँची का स्तूप (1989)**
- **भीमबेटका शैलाश्रय, रायसेन (2003)**

KAUTILYA ACADEMY
INDORE

6 MARKER

1. चरण पादुका नरसंहार पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

छतरपुर नगर में **14 जनवरी 1931** को **चरण पादुका नामक** स्थान पर विरोध करने के लिए एक **विशाल सभा** का आयोजन किया गया। अंग्रेजों ने छत्तरपुर में स्वतंत्रता सेनानियों की शांतिपूर्ण सभाओं पर गोलियां चलाईं और कई निर्दोष व्यक्तियों को मार डाला। शहीद होने वालों में **सेठ सुंदरलाल वरोहा, हलाकाई अहीर**, **चिरू कुर्मी**, **रामलाल** आदि शामिल थे।

- इस घटना के बाद **कई स्वतंत्रता सेनानियों को गिरफ्तार किया गया** और उन्हें **कठोर कारावास की सजा सुनाई गई।**
- इस घटना को **मध्य प्रदेश के जलियांवाला हत्याकांड** के नाम से भी जाना जाता है।
- इस नरसंहार ने **बुंदेलखंड में ब्रिटिश शासन के खिलाफ लोगों को और उत्तेजित कर दिया।**

आजादी के बाद चरण पादुका मैदान में एक स्मारक बनाया गया था।

2. मध्य प्रदेश में नमक सत्याग्रह से संबंधित विभिन्न समरूपों की चर्चा कीजिए।

अप्रैल 1930 में, **महात्मा गांधी की घोषणा से** पूरे भारत में **सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू** हो गया। 6 अप्रैल को गांधीजी ने नमक कानून तोड़ा और दांडी मार्च शुरू किया।

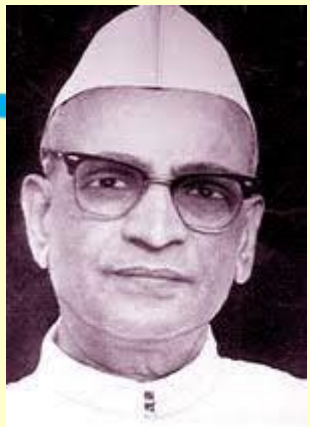

सेठ गोविंद दास और द्वारका प्रसाद मिश्र के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में आंदोलन शुरू हुए।

<u>जबलपुर</u>

- मध्य प्रदेश में नमक सत्याग्रह 1930 में जबलपुर जिले में **सेठ गोविंद दास** और **पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र के नेतृत्व में आंदोलन शुरू हुए ।**

<u>बेतुल</u>

- **जंगल सत्याग्रह** महात्मा गांधी के नमक सत्याग्रह से प्रेरित था।
- डीपी मिश्रा, लाला वाजपेयी आदि **के नेतृत्व में आंदोलन शुरू हुए ।**

3. 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में रानी लक्ष्मीबाई की भूमिका की व्याख्या कीजिए।

झांसी की रानी (जन्म -22 अप्रैल, 1812 को) **साहस और बहादुरी** की **प्रतिमूर्ति** थीं। वह महाराजा **गंगाधर राव की पत्नी के रूप में झांसी की रानी थीं।**

वह 1857 के **भारतीय विद्रोह की प्रमुख हस्तियों में से एक थीं** और **भारतीय राष्ट्रवादियों के लिए ब्रिटिश राज के प्रतिरोध का प्रतीक बन गईं।**

चूक के सिद्धांत के तहत **लॉर्ड डलहौजी** ने झांसी पर कब्जा करना चाहा। जब रानी को इसकी सूचना मिली तो वह चिल्लाई **"मैं अपनी झांसी नहीं दूंगी"।**

- 1857 का विद्रोह **मेरठ में छिड़ गया** और रानी झांसी पर अपने नाबालिग बेटे के नाम पर शासन कर रही थी।
- **कैप्टन ह्यूरोज** की कमान में **ब्रिटिश सेना 1858 में झांसी किले पर कब्जा करने के इरादे से पहुंची।**
- **कैप्टन ह्यूरोज** ने मांग की कि **झांसी उसके सामने आत्मसमर्पण कर दे** वरना **इसे नष्ट कर दिया जाएगा।**
- रानी लक्ष्मीबाई ने इनकार कर दिया और घोषणा की, **"हम आजादी के लिए लड़ते हैं, अगर हम जीतते हैं, जीत के फल का आनंद लेते हैं, अगर युद्ध के मैदान में पराजित हुए और मारे जाते हैं, तो हम निश्चित रूप से अनन्त महिमा और मोक्ष अर्जित करेंगे।"**
- दो सप्ताह तक युद्ध चलता रहा जहां रानी ने अंग्रेजों के खिलाफ पुरुषों और महिलाओं की अपनी सेना का बहादुरी से नेतृत्व किया। साहसी लड़ाई के बावजूद, झांसी लड़ाई हार गया।
- रानी अपने **शिशु पुत्र को पीठ पर बांधकर** घोड़े पर सवार होकर **कालपी** भाग निकलीं। **तात्या टोपे और अन्य विद्रोही सैनिकों के साथ**, रानी ने ग्वालियर के किले पर कब्जा कर लिया।
- बाद में, वह अंग्रेजों से लड़ने के लिए **मोरार, ग्वालियर चली गईं।** 18 जून 1858 को **23 वर्ष की आयु में ग्वालियर में लड़ते हुए रानी लक्ष्मीबाई की मृत्यु हो गई।**

4. मध्य प्रदेश में विदेशी पर्यटन पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

मध्य प्रदेश में पर्यटन अपने **केंद्रीय स्थान के कारण भारत का आकर्षण रहा है।** मध्य प्रदेश अपने कई स्मारकों, पठारों और पर्वत श्रृंखलाओं के साथ-साथ नदियों और वनों के आवरण के साथ **'अविश्वसनीय भारत का दिल'** कहलाता है।

मध्य प्रदेश ने लगातार 3 वर्षों यानी 2015, 2016 और 2017 के लिए **सर्वश्रेष्ठ पर्यटन राज्य राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है।**

मध्यप्रदेश आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों की संख्या हर साल बढ़ रही है। मध्य प्रदेश में कई ऐसी जगहें हैं जो विदेशी पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।

मध्य प्रदेश में तीन स्थलों को यूनेस्को द्वारा विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया है:

- **खजुराहो समूह के स्मारक (1986),**
- **सांची में बौद्ध स्मारक (1989),**
- **भीमबेटका के रॉक शेल्टर (2003)**

विदेशी पर्यटकों की आमद बढ़ाने के लिए सरकार और स्थानीय लोगों को बेहतर प्रबंधन की जिम्मेदारी लेनी होगी।

5. **भारतीय कवि और भारतीय स्वतंत्रता सेनानी के रूप में सुभद्रा कुमारी चौहान की चर्चा कीजिए।**

इलाहाबाद (यूपी) में जन्मी, **सुभद्रा कुमारी चौहान** एक महान भारतीय **कवि और स्वतंत्रता सेनानी** थीं। शादी के बाद वह अपने **पति ठाकुर लक्ष्मण सिंह चौहान** के साथ जबलपुर चली गई।

<u>एक कवि के रूप में</u>

- उन्होंने **"झांसी की रानी"** जैसी हिंदी कविता में कई लोकप्रिय रचनाएँ लिखी हैं।
  (रानी लक्ष्मीबाई के जीवन का वर्णन)
- अन्य कार्यों में **वीरों का कैसा हो बसंत, बिखरे मोती** और **जलियांवाला बाग में वसंत** आदि शामिल हैं।

<u>स्वतंत्रता सेनानी के रूप में</u>

सुभद्रा कुमारी चौहान ने **स्वतंत्रता आंदोलन के बारे** में खुलकर बात की **और अपनी कविताओं के माध्यम से जनता को उभारते** हैं।

- महात्मा गांधी के **असहयोग आंदोलन** में शामिल हुई ।
- नागपुर में गिरफ्तार करने वाली **पहली महिला सत्याग्रही।**

सुभद्रा कुमारी चौहान हमारे **पूरे देश के लिए प्रेरणा हैं।** उन्होंने हमेशा **महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले भेदभाव** और **जातिगत भेदभाव** के बारे में बात की, जो **आज के समय में भी उनके काम को प्रासंगिक बनाता है।**

6. **मध्य प्रदेश में पर्यटन में पचमढ़ी के स्थान को संक्षेप में समझाइए।**

पचमढ़ी **मध्य प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन** है और **मध्य प्रदेश का सबसे ऊंचा स्थान** है। पचमढ़ी को **"सतपुड़ा की रानी"** के रूप में भी जाना जाता है।

1,067 मीटर की ऊंचाई पर स्थित, शहर **यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व** का एक हिस्सा है, जो **तेंदुए और बाइसन** का घर है।

ऊंचाई पर होने और सतपुड़ा के जंगलों और झरनों से घिरे होने के कारण, पचमढ़ी मध्य प्रदेश के नजदीकी शहरों के लिए आदर्श स्थान है ।

<u>पचमढ़ी में घूमने के स्थान</u> - बी फॉल, जटा शंकर गुफाएं, पांडव गुफाएं, धूपगढ़, हांडी खोह, महादेव हिल्स आदि

मध्य प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन होने के कारण पंचमढ़ी का घरेलू और विदेशी पर्यटन में बहुत महत्व है।

7. संस्कृत को बढ़ावा देने में राजा भोज के योगदान का उल्लेख कीजिए।

राजा भोज परमार वंश के राजा थे। उनका राज्य **मध्य भारत में मालवा क्षेत्र के आसपास केंद्रित था**, जहां उनकी राजधानी **<u>धार</u>** स्थित थी।

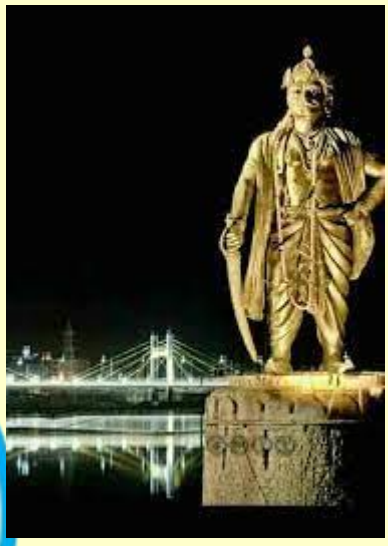

- भोज को **कला**, **साहित्य** और **विज्ञान** के **संरक्षक के रूप में** जाना जाता है।
- अपनी **राजधानी धार** में, उन्होंने **भोजशाला** नामक एक महान **संस्कृत शिक्षा केंद्र** बनाया।

भोज ने 84 पुस्तकें लिखीं। भोज के लिए जिम्मेदार बचे हुए कार्यों में निम्नलिखित संस्कृत भाषा के ग्रंथ शामिल हैं -

- **भुजबला-भीम**, ज्योतिष पर एक कार्य
- **चम्पू रामायण**, **गद्य** और **कविता के मिश्रण में रामायण** का एक पुन: वर्णन, जो **चंपू शैली की विशेषता** है।
- **समरंगना-सूत्रधारा**, स्थापत्य और प्रतिमा पर एक ग्रंथ।

इसमें **इमारतों**, **किलों**, **मंदिरों**, **देवताओं की मूर्तियों** और **एक तथाकथित फ्लाइंग मशीन या ग्लाइडर** आदि सहित यांत्रिक उपकरणों के निर्माण का विवरण दिया गया है।

8. शंकर दयाल शर्मा के जीवन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

शंकर दयाल शर्मा, एक वकील और राजनेता थे । इनका जन्म भोपाल, मध्य प्रदेश में हुआ। इन्होने भारत के **नौवें राष्ट्रपति** के रूप में कार्य किया, राष्ट्रपति पद ग्रहण करने से पहले वे भारत के **आठवे उपराष्ट्रपति थे ।** उन्होंने **महाराष्ट्र**, **आंध्र प्रदेश** और **पंजाब** के **राज्यपाल के रूप में** भी कार्य किया।

उन्होंने **भोपाल राज्य के मुख्यमंत्री** और **मध्य प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री** के रूप में **शिक्षा**, **कानून**, **सार्वजनिक कार्य**, **उद्योग** और **वाणिज्य आदि** जैसे विभिन्न विभागों में कार्य किया।

इंटरनेशनल बार एसोसिएशन ने शर्मा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कानूनी पेशे में उनके उत्कृष्ट योगदान और कानून के शासन के प्रति प्रतिबद्धता के लिए **'लिविंग लीजेंड्स ऑफ लॉ अवार्ड '** से सम्मानित किया।

उन्होंने 1970 के दशक के दौरान **कुरान पर एक कविता लिखी थी**, जिसे भारत एवं पाकिस्तान के मुसलमानों में सहराहना मिली।

9. हिंदी कवि और लेखक के रूप में भवानी प्रसाद मिश्रा के कार्यों की व्याख्या करें।

भवानी प्रसाद मिश्रा एक **हिंदी कवि और लेखक** थे, जिनका जन्म **होशंगाबाद** के **तिगरिया गाँव** में हुआ था। उन्हें उनकी पुस्तक **बुनी हुई रस्सी** के लिए **1972** में **साहित्य अकादमी पुरस्कार** से सम्मानित किया गया था।

भवानी प्रसाद मिश्र विचार और कर्म में **गांधीवादी** थे। वह देश के **उपनिवेशीकरण** के प्रभाव से बहुत चिंतन में रहते थे ।

मिश्रा के कुछ उल्लेखनीय कार्य हैं-

तूस की आग, कुछ नीति कुछ रजनीत्ती, **गीत-फरोश**, **कठपुतली कविता**, **सतपुड़ा के घने जंगल (कविता)**, **घर की याद (कविता), मन एक मैली कमीज है**, **त्रिकाल संध्या।**

10. पिथौरा चित्रकला की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

पिथौरा चित्रकला मध्य प्रदेश की आदिवासी कला है। यह दीवार पर की जाने वाली एक पेंटिंग है। यह मध्य प्रदेश में रहने वाले **राठवा** और **भिलाला जनजातियों** द्वारा किया जाता है।

उनके घरों की **तीन आंतरिक दीवारों पर पेंटिंग** की जाती है । यह चित्रकला उनके जीवन के महत्व से जुड़ी हुई है एवं इन्हे अपने घरो में उकेरने से **सद्भाव**, **सफलता** और **खुशी** मिलती है।

- **पिथौरा पेंटिंग** का नाम जनजाति के देवता - **भगवान पिथौरा (पिथौरा बाबा)** के नाम पर रखा गया है।
- पिथौरा कलाकार को **लखारा** के नाम से जाना जाता है।
- पेंटिंग से पहले, **गाय के गोबर** और **मिट्टी के मिश्रण** का उपयोग करके दीवारें तैयार की जाती हैं।
- पेंटिंग एक **आयताकार स्थान के भीतर उकेरी जाती है।**
- मूल पिथौरा पेंटिंग की विशिष्टता यह है कि **कोई भी दो पेंटिंग एक जैसी नहीं होती हैं।**
- कलाकार अपनी प्रत्येक पेंटिंग पर अपने **बौद्धिक और रचनात्मक अधिकारों को दर्शाने के लिए अलग-अलग निशान** छोड़ते है।

11. सांची स्तूप की वास्तुकला की विवेचना कीजिए।

सांची स्तूप को **स्तूप नंबर 1** के रूप में भी जाना जाता है, जिसे **मौर्य सम्राट अशोक** ने **तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व** में बनवाया था। इस स्तूप के निर्माण का उद्देश्य **बौद्ध दर्शन और जीवन शैली को संरक्षित करना और फैलाना था।**

<u>सांची स्तूप की वास्तुकला</u>

KAUTILYA ACADEMY INDORE

- यह भारत के सबसे **बड़े स्तूपों में से एक है**
- इसकी **ऊंचाई 54 फीट** और **व्यास 120 फीट** है।
- स्तूप की मुख्य संरचना साधारण डिजाइन का **अर्धगोलाकार गुंबद है।** गुंबद एक आधार पर टिकी हुई है, जिसके नीचे **एक अवशेष कक्ष** है।

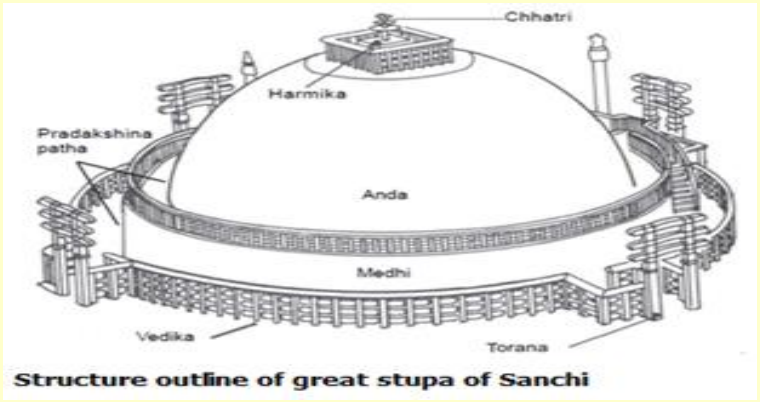

Structure outline of great stupa of Sanchi

- इसे **तीन छत्रियों** (छाता जैसी संरचना) से सजाया गया था। कहा जाता है कि ये तीन संरचनाएं **बौद्ध धर्म के त्रिरत्न** - **बुद्ध**, **धम्म** और **संघ**.के लिए खड़ी हैं।
- चारों दिशाओं की ओर मुख करके चार द्वार हैं। **जातक कथाओं** के दृश्य, बुद्ध के जीवन की घटनाओं, इन द्वारों पर उकेरे गए हैं।

12. मध्य प्रदेश और भारत में श्री महाकालेश्वर मंदिर के धार्मिक महत्व की व्याख्या करें।

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग **भगवान शिव** को समर्पित **बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है।** यह मध्य प्रदेश के प्राचीन शहर **उज्जैन** में स्थित है। मंदिर पवित्र **शिप्रा नदी** के किनारे स्थित है। महाकालेश्वर की मूर्ति को **दक्षिणमुखी** कहा जाता है, जिसका अर्थ है कि **यह दक्षिण की ओर है।** यह 12 ज्योतिर्लिंगों में से केवल महाकालेश्वर में पाई जाने वाली अनूठी विशेषता है।

<u>श्री महाकालेश्वर मंदिर का महत्व</u>

- चौथी शताब्दी में रचित **मेघदूतम (पूर्व मेघ) के प्रारंभिक भाग** में **कालिदास** महाकाल मंदिर का विवरण देते हैं।
- उज्जैन शहर भी **हिंदू धर्मग्रंथों के सीखने के प्राथमिक केंद्रों में से एक था**, जिसे छठी और सातवीं शताब्दी ईसा पूर्व में **अवंतिका** कहा जाता था।
- बाद में, **ब्रह्मगुप्त** और **भास्कराचार्य** जैसे खगोलविदों और गणितज्ञों ने उज्जैन को अपना घर बनाया।
- इसके अलावा, **सूर्य सिद्धांत के अनुसार** (भारतीय खगोल विज्ञान पर सबसे पहले उपलब्ध ग्रंथों में से एक) **उज्जैन भौगोलिक रूप से एक ऐसे स्थान पर स्थित है जहां देशांतर का शून्य मेरिडियन और कर्क रेखा प्रतिच्छेद करती है।**
- इस सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए, उज्जैन के कई मंदिर किसी न किसी तरह से **समय और स्थान से जुड़े हुए हैं**, और **मुख्य शिव मंदिर समय के स्वामी महाकाल को समर्पित है।**

महाकाल मंदिर के इन सभी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के कारण, पूरे मध्य प्रदेश और भारत के लोग नियमित रूप से महाकालेश्वर मंदिर जाते हैं।

15 MARKER

1. मध्य प्रदेश में 1857 के विद्रोह की विस्तार से चर्चा कीजिए।

1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम एक **अखिल भारतीय चरित्र** का पहला आंदोलन था। इसने **मेरठ से कोल्हापुर तक एक व्यापक क्षेत्र को प्रभावित किया** और इसमें देश के **हिंदू और मुसलमान दोनों शामिल थे।** मध्य प्रदेश क्षेत्र ने भी इस आंदोलन में अपनी भूमिका निभाई।

मध्य प्रदेश क्षेत्र में शुरू हुआ आंदोलन

- **मेरठ-दिल्ली क्षेत्र** में विद्रोह शुरू होने के एक महीने बाद ही **सागर-नर्मदा क्षेत्र** और **नागपुर** में भी विद्रोह शरू हो गया।
- **सागर-नर्मदा क्षेत्र** में स्वतंत्रता के बढ़ते उत्साह पर आसानी से अंकुश नहीं लगाया जा सकता था।

झांसी और बुंदेलखंड क्षेत्र

- **जून, 1857** की शुरुआत में **झांसी में विद्रोह फैलने के तुरंत बाद**, यह **सागर-दमोह** क्षेत्र में जंगल की आग की तरह फैल गया। नर्मदा के उत्तर में लगभग पूरा इलाका अंग्रेजों के खिलाफ था।
- **बानपुर और शाहगढ़** के राजाओं ने प्रमुख भूमिका निभाई और अपने क्षेत्रों के यूरोपीय लोगों को कैद कर लिया, लेकिन बाद में उन्हें सागर जाने की अनुमति दी।

जबलपुर क्षेत्र

- **अगस्त, 1857** तक व्यावहारिक रूप से नर्मदा के उत्तर में जबलपुर और मंडला का पूरा क्षेत्र स्वतंत्रता सेना के कब्जे में था।
- इसके तुरंत बाद, इन बलों ने जबलपुर में अपना नेता **राजा शंकर शाह गोंड** को बनाया।
- यह राजा गढ़ा मंडला की बहादुर **रानी दुर्गावती** के परिवार से ताल्लुक रखता था, जिन्होंने अकबर की मुगल सेना के खिलाफ अपने राज्य की आजादी के लिए लड़ाई लड़ी थी।

रामगढ़ की रानी

- मंडला जिले के एक छोटे से राज्य रामगढ़ की **रानी अवंती बाई** ने स्वतंत्रता आंदोलन में वीरतापूर्वक भाग लिया।

झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई

- झांसी की **रानी लक्ष्मी बाई** ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, उनकी मुख्य सहयोगी **झलकारी बाई** थीं।
- वह 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की प्रमुख हस्तियों में से एक थीं और **भारतीय राष्ट्रवादियों के लिए ब्रिटिश राज के प्रतिरोध का प्रतीक बन गईं।**

मध्य प्रदेश से 1857 के महान विद्रोह में भाग लेने वाले अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र और उनके नेता-

- **शेख रमजान - सागर**
- **फाजिल मोहम्मद खान - भोपाल**
- **मेहरबान सिंह - नरसिंहपुर**
- **सहादत खान - महू, इंदौर**
- **राजा बख्तावर सिंह - अमझेरा, धारी**
- **तांत्या भील - खरगोन**
- **भीम नायक - पश्चिमी निमाड़ और बड़वानी**
- **रणमत सिंह- रीवा,**

1857 के विद्रोह की विफलता के कारण

- अखिल भारतीय भागीदारी अनुपस्थित थी
- एकता और संगठन का अभाव
- विद्रोहियों के बीच व्यक्तिगत प्रतिद्वंद्विता मौजूद
- **नाना साहब**, **तांतिया टोपे** और **रानी लक्ष्मीबाई** साहसी थे परन्तु वे **समग्र रूप से आंदोलन को प्रभावी नेतृत्व प्रदान करने में असमर्थ थे।**

2. अहिल्याबाई होल्कर के अधीन होल्कर वंश के प्रशासन की विवेचना कीजिए। यह भी बताएं कि उन्हें हिंदू मंदिरों के विपुल निर्माता और संरक्षक के रूप में क्यों जाना जाता है।

अहिल्या बाई होल्कर आधुनिक भारत में **मराठा साम्राज्य** की **रानी थीं।** उन्होंने **महेश्वर** (मध्य प्रदेश में) को **होल्कर राजवंश की राजधानी के रूप में स्थापित किया।**

अपने पति **खंडेराव होलकर** और ससुर **मल्हार राव होल्कर** के निधन के बाद, अहिल्या बाई ने स्वयं होल्कर वंश के मामलों को संभाला। उसने **घुसपैठियों के खिलाफ मालवा राज्य का बचाव किया** और **व्यक्तिगत रूप से युद्ध में सेनाओं का नेतृत्व किया।**

होल्कर परिवार **अपने व्यक्तिगत और पारिवारिक खर्चों को पूरा करने के लिए राज्य की संपत्ति का इस्तमाल नहीं करता था ।** उनके पास अपना निजी धन था, जिसे उन्होंने अपनी निजी संपत्ति के माध्यम से जमा किया था। अहिल्याबाई ने अपने निजी संसाधनों से दान पुण्य के लिए पैसे दान किए।

अहिल्या बाई, **हिंदू मंदिरों की एक महान निर्माता थीं** जिन्होंने **पूरे भारत में सैकड़ों मंदिरों और धर्मशालाओं का निर्माण किया।** वह हिंदू तीर्थयात्रा के कुछ सबसे पवित्र स्थलों के नवीनीकरण और पुनर्निर्माण के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं जिन्हें पिछली शताब्दी में मुगल सम्राट औरंगजेब द्वारा अपवित्र और ध्वस्त कर दिया गया था।

अहिल्याबाई होल्कर को उनके निम्नलिखित योगदान के कारण विपुल निर्माता और हिंदू मंदिरों के संरक्षक के रूप में भी जाना जाता था-

- **अमरकंटक (मध्य प्रदेश)** - श्री विश्वेश्वर मंदिर, कोटितीर्थ मंदिर, गोमुखी मंदिर, धर्मशाला और वंश कुंड का निर्माण
- **अयोध्या (उत्तर प्रदेश) -** श्री राम मंदिर, श्री त्रेता राम मंदिर, श्री भैरव मंदिर, नागेश्वर / सिद्धनाथ मंदिर, सरयू घाट, कुआं, स्वर्गद्वारी मोहताजखाना और धर्मशालाओं का निर्माण
- **बद्रीनाथ (उत्तराखंड)** - श्री केदारेश्वर मंदिर और हरि मंदिर, धर्मशालाओं का निर्माण (रंगदाचती, बिदारचती, व्यासगंगा, तुंगनाथ,
- **द्वारका (गुजरात) -** मोहताजखाना, पूजा घर और द्वारकाधीश मंदिर के पुजारियों को कुछ गांवों का दान
- **एलोरा (महाराष्ट्र) -** एलोरा गुफाओं के भीतर कैलासनाथ मंदिर के मंदिर को सजाने वाले चित्रों की अंतिम परत को चालू करना
- **गंगोत्री -** विश्वनाथ, केदारनाथ, अन्नपूर्णा और भैरव मंदिर, कई धर्मशालाएं
- **गया (बिहार)** - 1787 में विष्णुपद मंदिर का पुनर्निर्माण, जिसे पहले 1669 में औरंगजेब द्वारा अपवित्र और ध्वस्त कर दिया गया था।
- **वाराणसी (उत्तर प्रदेश) -** 1780 में काशी विश्वनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, जिसे पहले 1669 में औरंगजेब द्वारा अपवित्र, ध्वस्त और एक मस्जिद में परिवर्तित कर दिया गया था।

अहिल्या बाई होल्कर **एक महान मराठा रानी थी जो ज्ञान, अच्छाई और सदाचार का सबसे अच्छा उदाहरण पेश करती है।**

3. मध्य प्रदेश के लोक संगीत और लोक नृत्य को इसके क्षेत्रीय महत्व के साथ समझाइए।

मध्य प्रदेश में जनजातीय आबादी प्रमुख है इसलिए मध्य प्रदेश के लोक/पारंपरिक नृत्य और संगीत इन जनजातियों के विश्वास के इर्द-गिर्द घूमते हैं। हालाँकि संगीत के विभिन्न रूप सह-अस्तित्व में हैं।

मध्य प्रदेश के लोक संगीत

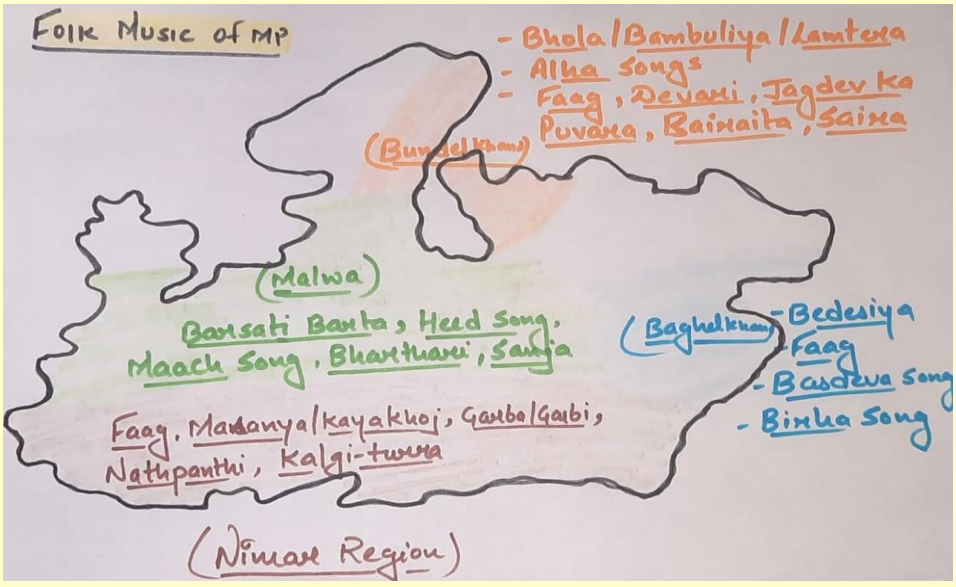

मध्य प्रदेश के लोक संगीत	
निमाड़ क्षेत्र	
कायाखोज	➢ मृत्यु के गीत को कायाखोज गीत कहा जाता है। ये गीत शरीर की मृत्यु और आत्मा की अमरता के बारे में बात करते हैं।
गरबा	➢ गरबा गीत नवरात्रि के दौरान गाए जाते हैं।
नाग पंथी गायन	➢ यह प्रतिदिन सुबह के समय गाये जाते है। इसमें कबीर के दोहे गाये जाते है।
कलगी-तुर्रा	➢ यह लोकगीत की एक **प्रतिस्पर्धी शैली** है। ➢ यह **शिव आराधना के गीत होते है** एवं इन्हे रात के समय गया जाता है।
मालवा	
बरसाती गाने	➢ ये **मौसमी कहानियों के गीत** हैं। ➢ इन्हें **बारिश के दौरान गाया जाता है** और **पूरी रात जारी रहता है।**
हीड गायन	➢ **मालवा में सावन** के महीने में **हीड गीत** गाने की परंपरा है।
माच	➢ ये **माच नाटक के दौरान** गाए जाने वाले लोक नाट्य गीत/संगीत हैं।
भरथरी गायन	➢ इन गीतों को **नाथ समुदाय** के लोग **चिंकारा की थाप पर** गाते हैं।
संजा गायन	➢ यह किशोरियों का पारंपरिक गायन पध्दति है।
बुंदेलखंड	
➢ बुंदेलखंड के लोक गीतों में शामिल हैं- आल्हा **गायन**, **भोला, बंबोलिया, लमटेरा गीत**, देवारी, जगदेव का पुवारा आदि।	
बघेलखण्ड	
➢ बघेलखंड के लोक गीतों में शामिल हैं- **बसदेवा, बिरहा, विदेशिया** आदि।	

मध्य प्रदेश के लोक नृत्य

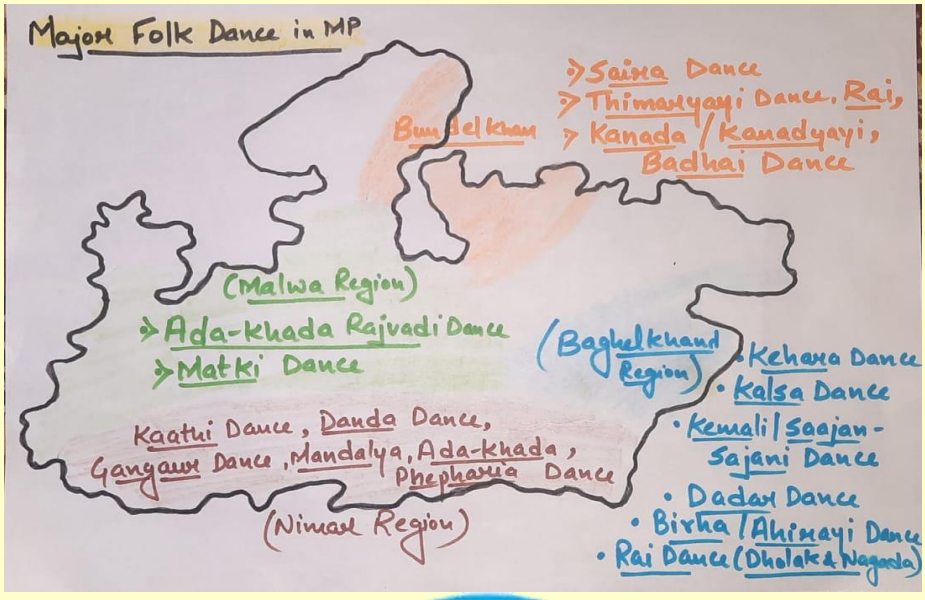

मध्य प्रदेश के लोक नृत्य	
निमाड़	
काठी नृत्य	➢ यह एक **लोकप्रिय नाटक** है। यह **देवी पार्वती की पूजा** के साथ एक उत्सव नृत्य है
मांडल्या नृत्य	➢ यह **एक समूह नृत्य है** और ढोल की थाप पर किया जाता है
आडा़-खडा़ नृत्य	➢ निमाड़ क्षेत्र में **जन्म, मुंडन और विवाह के अवसर पर** कई नृत्य किए जाते हैं इन नृत्यों को आडा़ या खड़ा नाच कहा जाता है
मालवा	
मटकी नृत्य	➢ मटकी, मालवा का **एक समुदाय नृत्य है** जिसे महिला विभिन्न अवसरों विशेषकर सगाई, विवाह पर नृत्य करती है।
आड़ा-खड़ा रजवाड़ी नृत्य	➢ आडा़-खडा रजवाड़ी नृत्य की परंपरा किसी भी अवसर पर समूचे मालवा में देखी जा सकती हैं।
बुंदेलखंड	
सैरा नृत्य	➢ बुंदेलखंड में श्रावण-भादो में सैरा नृत्य किया जाता है यह पुरुष प्रधान नृत्य है।
राई नृत्य	➢ राई बुंदेलखंड का एक लोकप्रिय नृत्य जन्म, सगाई, शादियों, उत्सवों के अवसर पर राई नृत्य का आयोजन प्रतिष्ठा प्रदान करता है।
ढिमरियाई नृत्य	➢ बुंदेलखंड में सामान्यतः ढीमर जाति के लोग इस नृत्य को करते हैं इसलिए इसे ढिमरियाई नृत्य कहते हैं।

KAUTILYA ACADEMY INDORE

4. खजुराहो नृत्य उत्सव अब न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कर रहा है। चर्चा कीजिये। क्षेत्रीय विकास में खजुराहो नृत्य उत्सव के महत्व को भी स्पष्ट कीजिए।

मध्य प्रदेश कला परिषद द्वारा आयोजित **खजुराहो नृत्य महोत्सव**, मध्य प्रदेश राज्य के **छतरपुर जिले** में **खजुराहो मंदिरों** के बगल में **प्रतिवर्ष** आयोजित होने वाला **शास्त्रीय नृत्य** का एक सप्ताह का उत्सव है।

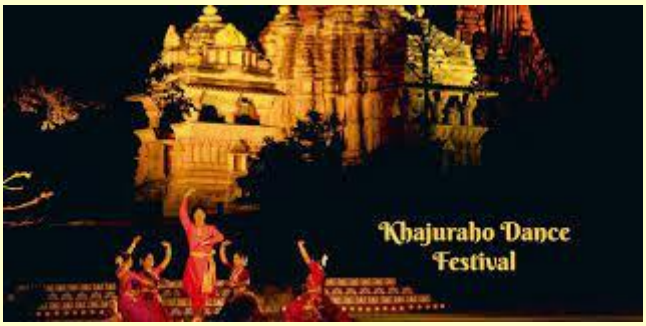

<u>महोत्सव भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों की समृद्धि पर प्रकाश डालता है</u>

यह त्यौहार **भारतीय शास्त्रीय नृत्य शैलियों** जैसे **कथक**, **भरतनाट्यम**, **ओडिसी**, **कुचिपुड़ी**, **मणिपुरी**, **गौड़ीय नृत्य** और **कथकली** की समृद्धि को क्षेत्र में कुछ बेहतरीन प्रतिपादकों के प्रदर्शन के साथ उजागर करता है। **आधुनिक भारतीय नृत्य** को हाल ही में जोड़ा गया है।

नृत्य एक **खुली हवा में सभागार** में किया जाता है, आमतौर पर **सूर्य (सूर्य भगवान)** को समर्पित **चित्रगुप्त मंदिर** और **पश्चिमी समूह** से संबंधित **भगवान शिव को समर्पित विश्वनाथ मंदिर** के सामने।

<u>महोत्सव का आयोजन</u>

इस नृत्य महोत्सव का आयोजन **उस्ताद अलाउद्दीन खान संगीत और कला अकादमी**, **मध्य प्रदेश संस्कृति परिषद**, **मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड**, **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण** और **जिला प्रशासन छतरपुर** के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है।

यह भारतीय शास्त्रीय नृत्य रूपों पर ध्यान केंद्रित करने वाला देश का सर्वोच्च त्योहार है, और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध है

<u>न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त</u>

48वें खजुराहो नृत्य महोत्सव के प्रदर्शन को देखने के लिए **8 देशों के राजदूत** और **उच्चायुक्त** पारिवारिक समारोह में शामिल हुए। इनमें **कोरिया, अर्जेंटीना, वियतनाम, ब्रुनेई, फिनलैंड, मलेशिया, थाईलैंड और लाओ के राजदूत और उच्चायुक्त शामिल हैं।**

5. "मध्य प्रदेश में पर्यटन का संक्षिप्त इतिहास और विकास" पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए।

अविभाजित मध्य प्रदेश की स्थापना **1 नवंबर 1956** को हुई थी। मध्य प्रदेश, अपने वर्तमान स्वरूप में विभाजन के बाद **1 नवंबर 2000** को अस्तित्व में आया। मध्य प्रदेश को **"भारत का दिल"** भी कहा जाता है।

प्रागैतिहासिक चित्रित शैलाश्रय के मामले में

- चित्रित शैलाश्रय के मामले में मध्य प्रदेश देश का सबसे अमीर राज्य है, जिनमें से अधिकांश **सीहोर**, **भोपाल**, **रायसेन**, **होशंगाबाद** और **सागर जिलों** में पाए गए हैं।
- राज्य में नर्मदा और अन्य नदी घाटियों के साथ **पुरापाषाण, मध्यपाषाण, नवपाषाण, ताम्रपाषाण और लौह युग की संस्कृतियां पनपी हैं।**
- रायसेन जिले के **भीमबेटका में प्राचीनतम मानव बस्तियों के साक्ष्य मिले हैं।**

महत्वपूर्ण तीर्थस्थल

- मध्य प्रदेश में कई महत्वपूर्ण तीर्थस्थल हैं।
- जबकि **उज्जैन और ओंकारेश्वर** में बारह ज्योतिर्लिंगों में से दो ज्योतिर्लिंग होने के कारण इसका विशेष महत्व है।
- **मंडलेश्वर, महेश्वर, होशंगाबाद, चित्रकूट और अमरकंटक** तीर्थों के प्रमुख केंद्र हैं।

पूरी तरह से संरक्षित मध्ययुगीन शहर

- पूरी तरह से संरक्षित मध्ययुगीन शहर मध्य प्रदेश के कुछ प्रमुख आकर्षण हैं।
- **ग्वालियर, मांडू, दतिया, चंदेरी, जबलपुर, रायसेन, विदिशा, इंदौर और भोपाल** अपने ऐतिहासिक स्मारकों के लिए प्रसिद्ध स्थान हैं।

पर्यटकों के आकर्षण

राज्य के प्रमुख पर्यटक आकर्षण **पुरातात्विक संपदा**, **प्राकृतिक सुंदरता**, **वन्य जीवन** और **तीर्थयात्रा का एक विवेकपूर्ण मिश्रण हैं।** इन केंद्रों को वर्गीकृत किया गया है-

खजुराहो	➢ चंदेल वंश द्वारा निर्मित मध्ययुगीन काल के मंदिर। ➢ इसे भारतीय मंदिर वास्तुकला और मूर्तिकला की पहचान कहा जाता है।
सांची	➢ रायसेन जिले में सांची एक **विश्व प्रसिद्ध बौद्ध स्तूप**, स्मारक, मंदिर और स्तंभ हैं
भोजपुर	➢ भोजपुर के विशाल शिव मंदिर को **पूर्व के सोमनाथ** के रूप में जाना जाता है। ➢ यह राजा भोज परमार द्वारा निर्मित 10वीं शताब्दी का मंदिर है।
मांडु	➢ **"सिटी ऑफ जॉय"** के रूप में जाना जाता है, इसमें मध्ययुगीन काल के विशाल अफगान स्मारक हैं।

	➢ विभिन्न आकृतियों और आकारों के स्मारकों से जड़ी है।
ओरछा	➢ मुग़ल काल के **बुंदेला राजपूत राजाओं** की सीट। ➢ **बेतवा नदी** के तट पर स्थित, इसमें बुंदेलखंड वास्तुकला और बाद के मध्ययुगीन काल की पेंटिंग का सबसे अच्छा नमूना है।
ग्वालियर	➢ इसमें 14वीं सदी के मध्यकालीन राजपूत स्मारकों और महलों के साथ एक विशाल गढ़ है। ➢ इसमें **जयविलास महल के दरबार हॉल** में दुनिया के दो सबसे बड़े झूमर, डाइनिंग हॉल में क्रिस्टल मिनी ट्रेन और एक महल संग्रहालय भी है।
वन्यजीव	➢ **कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान, माधव राष्ट्रीय उद्यान, शिवपुरी, पेंच राष्ट्रीय उद्यान** आदि
नैसर्गिक सौंदर्य	➢ **पचमढ़ी, अमरकंटक आदि**
तीर्थ केंद्र	➢ **ओंकारेश्वर, उज्जैन, चित्रकूट आदि**

मध्य प्रदेश की कला और शिल्प को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन: -

- **भगोरिया हाट, झाबुआ**
- **खजुराहो नृत्य का उत्सव**
- **अखिल भारतीय कालिदास उत्सव**
- **निमाड़ उत्सव, महेश्वरी**
- **तानसेन समारोह, ग्वालियर**
- **लोकरंग, भोपाल**
- **अलाउद्दीन खान समरोह, मैहर**

6. राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने में कला और संस्कृति की भूमिका पर एक निबंध लिखिए।

संस्कृति साझा दृष्टिकोण, मूल्यों, लक्ष्यों और प्रथाओं के एक समूह का प्रतिनिधित्व करती है और किसी भी राष्ट्र या राज्य के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

पर्यटन के साथ कला और संस्कृति की जोड़ी क्षेत्र को आर्थिक विकास की ओर ले जा सकती है, साथ ही समुदाय की भलाई में भी योगदान दे सकती है।

अध्ययनों से यह भी पता चला है कि **सांस्कृतिक पर्यटक** अन्य प्रकार के पर्यटकों की तुलना में अधिक खर्च करते हैं और अक्सर समुदायों में अधिक समय तक रहते हैं।

मध्य प्रदेश को भारत के दिल के रूप में जाना जाता है जो कला और सांस्कृतिक विरासत की समृद्धि से समृद्ध है। यह विभिन्न धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग एक साथ रहते है। जिन्होंने मंदिरों, स्तूपों, महलों, साहित्य आदि के रूप में अपनी छाप छोड़ी है।

<u>पर्यटन को बढ़ावा देने में कला और संस्कृति का योगदान</u>

- कला और संस्कृति से संबंधित उद्योग **राज्य और स्थानीय समुदायों के लिए प्रत्यक्ष आर्थिक विकास प्रदान करते हैं।**
- कला और संस्कृति **रोजगार के अवसर पैदा करती है** और उपभोक्ता खरीद और पर्यटन के माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को भी प्रोत्साहित करती है।
- संस्कृति और कला पर आधारित पर्यटन **आकर्षित राजस्व प्रदान करके राज्य के आर्थिक विकास में बहुत योगदान देता है।**

मप्र की सांस्कृतिक समृद्धि विभिन्न कला रूपों में देखी जा सकती है। यहीं पर हमें **खजुराहो, चित्रकूट, सांची के स्तूप, मांडू** आदि के भव्य मंदिर मिलते हैं।

मप्र में, समय के साथ विभिन्न कला और शिल्प विकसित हुए हैं। ये लोक कला और संस्कृति और मध्य प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण हिस्से के रूपों को दर्शाते हैं।

कला और शिल्प में शामिल हैं - झाबुआ और मंडला के बांस शिल्प, पत्ता शिल्प, टेराकोटा, लकड़ी शिल्प, धनुष और तीर बनाना, कठपुतली, गुड़िया (ग्वालियर), चिपा कला, माहेश्वरी साड़ी, चंदेरी साड़ी आदि।

संस्कृति और रचनात्मकता लगभग सभी आर्थिक, सामाजिक और अन्य गतिविधियों में प्रकट होती है। एक राज्य अपनी कला और संस्कृति की बहुलता का प्रतीक है।

MPPSC MAINS DETAIL EXPLANATION (19.10.2022)

PAPER-I (PART A) HISTORY

M - 2019

3 Marker

1. **Heliodorus pillar**
   - The **Heliodorus pillar** is a **stone column**, erected around **113 BCE** in **central India** in **Besnagar** (**near Vidisha, Madhya Pradesh**).
   - The pillar is commonly named after **Heliodorus,** who was an **ambassador of the Indo-Greek king Antialcidas from Taxila**, and was sent to the Indian ruler **Bhagabhadra.**

2. **Sohawal Massacre**
   - On 19 July, in **Sohawal (Princely State of Baghela Dynasty),** an assembly was planned to be organized under the leadership of **Lal Budh Pratap Singh**.
   - However, even before the assembly could be held, **Singh and his men shot dead by the British officials** near **Majan Village.**
   - This incident is also called as **Majan Shooting case.**

3. **Diman Despat Bundela**
   - He belonged to the **family of Maharaja Chhatrasal.**
   - Diman Despat also gave a **tough fight to the British soldiers** in 1857-58 and **sent gunmen for the help of Tatya Tope.**
   - Despat became so powerful that the **British administration decleared a reward of Rs. 5,000/- to arrest him**. After a long fight the brave Despat was killed in 1862.

4. **Sahitya Akademi Award**
   - **Sahitya Akademi Award** was **established** in **1954**, annually confers on **writers of the most outstanding books of literary merit published** in any of the **24 major Indian languages.**

5. Geet Farosh

- **Geet Farosh** is poetry compilation of **Bhawani Prasad Mishra.**
- Before this compilation, the Geet-Farosh poem, published in the magazine **'Pratik'** in **1951,** occupies an **important place in the early Hindi poems.**
- Most of his poems are related to the **description of nature.**

6. Kewada Swami Bhairavnath Temple

- It is situated on the famous **Motasagar Talab of Agarmalwa,** the idol here is unique and **lies in the trunk of a huge tree.**
- This is **Kevada flower garden.** It is believed that this idol was **established in 1424** by **Raghau Dev** of Gujarat.

7. Lanji Fort

- Lanji fort is a historical heritage located in **Balaghat district.**
- Lanji was earlier known as **Lanjika,** and was ruled by a branch of the **Kalachuris of Ratnapura.**
- This fort was built by the **Gond kings.**
- During the Mughal period, it was a mahal (administrative division), as mentioned in the **Ain-i-Akbari.**

8. Dagona Waterfall

- Dagona Waterfalls is a very attractive place located in **Dindori, Madhya Pradesh.**
- Dagona is a very beautiful and quiet place **surrounded by dense forests.**
- It is situated on the banks of the **Budner River**.

9. Oon

- It is Located in **Khargone district of Madhya Pradesh.**
- This place is famous for **Parmara-period Shiva-temple and Jain temples**.
- A very **ancient Lakshmi-Narayan temple is also located here.**

10. Chanderi fabric

- Chanderi is a **century-old weaving technique** that produces **three kinds of fabric** – **Chanderi silk cotton**, **Pure silk**, and **Chanderi Cotton.**
- It is known for its **glossy transparency and sheer texture.**
- **Its origin traces from Chanderi**, which is town of **historical importance in Ashoknagar District** of the state **Madhya Pradesh in India.**

11. Akhil Bharatiya Kalidas Samaroh

- The **Akhil Bhartiya Kalidas Samaroh** is a **seven-day festival** held every year in the **city of Ujjain** in **Madhya Pradesh**.
- The Akhil Bhartiya Kalidas Samaroh is a commemoration of the **literary giant Kalidas**.
- It acts as a **platform for artists** to **gather for performing and engaging in poetry, stories, plays, and other cultural performances.**

12. Madhya Pradesh Tourism Board

- Madhya Pradesh Tourism Board is constituted with an **objective to promote tourism in the State** and **to enhance the tourism infrastructure through private sector as well.**
- Headquarter of Madhya Pradesh Tourism Board is in **Bhopal.**

13. Rai Dance

- Rai is a folk dance of **Bundelkhand region** which is performed on **marriages and festivals.**
- In English **Rai means mustard seed**. The way mustard seeds swings around in saucer, the dancer also dances like wise on the beats of nagadiya, dholak, jheeka, manjeera etc.

14. Makhanlal Chaturvedi

- **Pandit Makhanlal Chaturvedi** was an **Indian poet**, **writer** and **freedom fighter** who is known **Neo – Romanticism movement** of **Hindi Literature**.
- He was awarded the **first Sahitya Akademi Award** in Hindi for his work **HIM TARANGINI.**

15. UNESCO World Heritage Site in Madhya Pradesh

Three sites in Madhya Pradesh have been declared **World Heritage Sites** by UNESCO**:**

- **The Khajuraho Group of Monuments, Chattarpur (1986)**
- **Buddhist Monuments at Sanchi, Raisen (1989)**
- **The Rock Shelters of Bhimbetka, Raisen (2003)**

6 Marker

1. Write Short note on Charanpaduka narshanhar (Charanpaduka Massacre).

In **chhatarpur town**, on **14th January 1931**, a large meeting was held to protest at a place called **Charan Paduka. British opened fire on peaceful meetings** of freedom fighters at chattarpur and **killed many innocent persons.** Those who were martyred included **seth Sundarlal Waroha**, **Halakai Ahir**, **Chiru Kurmi**, **Ramlal** etc.

- After this incident many freedom fighter were arrestes and was sentenced to rigorous imprisonment.
- This incident also known as the **Jallianwala massacre of Madhya Pradesh**.
- This Massacre further agitated people against British Rule in Bundelkhand.

After independence a **memorial was built at the charan Paduka ground.**

2. Discuss various even related to Salt Satyagraha in Madhya Pradesh.

In April 1930, by declaration of Mahatma Gandhi, **civil disobedience movement started in all over India.** On 6th April Gandhiji broke the salt law and started Dandi March.

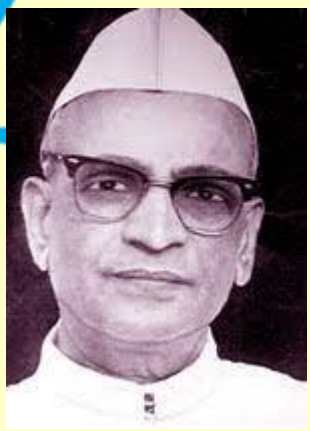

Under the leadership of **Seth Govind Das** and **Dwarka Prasad Mishra** the movements started in Madhya pradesh.

Jabalpur

- Salt Styagraha in Madhya Pradesh was launched in **1930** in **Jabalpur district**, under the leadership of **Seth Govind Das** and **Pt. Dwarika Prasad Mishra**.

Betul

- Jungle Satyagraha is inspired by Salt satyagraha of Mahatma Gandhi. Leaders were **DP MISHRA, LALA BAJPAI etc.**

KAUTILYA ACADEMY INDORE

3. Explain the role of Rani Laxmibai in 1857 war of independence.

The **Rani of Jhansi (Born on April 22, 1812)** was an **epitome of courage and bravery.** She was queen of the **Maratha princely state of Jhansi** as the wife of **Maharaja Gangadhar Rao.**

She was **one of the leading figures of the Indian Rebellion of 1857** and became a **symbol of resistance to the British Raj** for Indian nationalists. Lord Dalhousie sought to annex Jhansi when the Maharaja died applying **the Doctrine of Lapse** since **the king did not have any natural heir.** When she was informed of this she Shout out **"Main apni Jhansi nahi doongi"** (I shall not surrender my Jhansi).

- The Revolt of 1857 had broken out in **Meerut** and the Rani was ruling over Jhansi as regent for her minor son.
- British forces under the command of **Sir Hugh Rose** arrived at Jhansi fort with the intention of capturing it in 1858. He demanded that the city surrender to him or else it would be destroyed.
- Rani Laxmibai refused and proclaimed, **"We fight for independence, if we are victorious, enjoy the fruits of victory, if defeated and killed on the field of battle, we shall surely earn eternal glory and salvation."**
- For two weeks the battle went on where the Rani led her army of men and women valiantly against the British. Despite courageous fighting, **Jhansi lost the battle.**
- The Rani, tying her infant son on her back, escaped to **Kalpi** on **horseback.** Along with **Tatya Tope** and **other rebel soldiers**, the Rani captured the fort of Gwalior.
- Afterwards, she proceeded to **Morar**, Gwalior to fight the British. Rani Laxmibai died **while fighting in Gwalior on 18th June 1858, aged 23.**

4. Write a short note on foreign tourism in Madhya Pradesh.

Tourism in Madhya Pradesh has been an attraction of India **because of its central location.** Madhya Pradesh, with its **many monuments, plateaus and mountain ranges,** along with **rivers and forest covers** is called the **'heart of incredible India'.**

Madhya Pradesh has won **Best Tourism State National award** for **3 consecutive years** i.e., **2015, 2016 and 2017.**

Domestic and foreign tourist arriving Madhya Pradesh is **increasing every year.** There are many places in Madhya Pradesh which **attract foreign tourist.**

Three sites in Madhya Pradesh have been declared **World Heritage Sites by UNESCO:**

The **Khajuraho Group of Monuments (1986), Buddhist Monuments at Sanchi (1989),** the **Rock Shelters of Bhimbetka (2003)**

- **Khajuraho,** being the most visited site.
- **Kumbh fair of Ujjain** is also attract large number of tourists.
- **Manav Sanghalaya, Bhopal** is the only such place in Asia, is also one of the most visited tourist sites.
- **Development of Buddhist circuit** is a step to boost this sector.

Hence it is evident to say that M.P. has great potential attracting tourists and also there are huge avenues for **medical, educational tourism and environmental tourism.** In order to **increase foreign tourist inflow, government** and local peoples of **has to take responsibility for better management.**

5. **Discuss Subhadra Kumari Chauhan as Indian poet as well as Indian freedom fighter.**

Born in **Allahabad (UP),** Subhadra Kumari Chauhan was a great **Indian Poet and Freedom fighter.** After marriage she moved to Jabalpur with her husband **Thakur Lakshman Singh Chauhan**.

As a Poet

- She has authored a number of popular works in Hindi poetry like **"Jhansi ki Rani"** (Describing life of Rani Lakshmi Bai)
- Other work includes **Veeron Ka Kaisa Ho Basant**, **Bikhare Moti** and **Jallianwala Bagh mein Vasant etc**

As freedom Fighter

- **openly talk about the freedom movement** and raised masses through her poems.
- joined Mahatma Gandhi's **Non-Cooperation Movement.**
- **First woman Satyagrahi to court arrest in Nagpur**

Subhadra Kumari Chauhan is **inspiration for our whole nation**. She always talked about **gender and caste discrimination** faced by women, which makes her work relevant even in today's times.

6. Explain in brief place of Panchmari in tourism in Madhya Pradesh.

Pachmarhi is the **only hill station** and is the **highest point in Madhya Pradesh.** Pachmarhi is also often known as **"Satpura ki Rani"** or the **"Queen of the Satpura Range".**

- Situated at an altitude of **1,067 metres,** the picturesque town is a part of **UNESCO Biosphere Reserve,** home to **leopards and bison**.
- Being at an **elevated height** and surrounded by **forests of the Satpuras with the streams and waterfalls,** Pachmarhi is a perfect weekend getaway from the nearby cities of Madhya Pradesh and India.
- **Places To Visit in Pachmarhi** - Bee Fall, Jata Sankar Caves, Pandav Caves, Dhupgarh, Handi Khoh, Mahadeo Hills etc
- Being only hill station of Madhya Pradesh, **Panchmari has great significance in domestic and foreign tourism.**

7. Mention the contribution of Raja Bhoj in promoting Sanskrit.

Raja Bhoja was **an Indian King** from the **Paramara dynasty**. His kingdom was centred around the **Malwa region in central India**, where his capital **Dhar was located.**

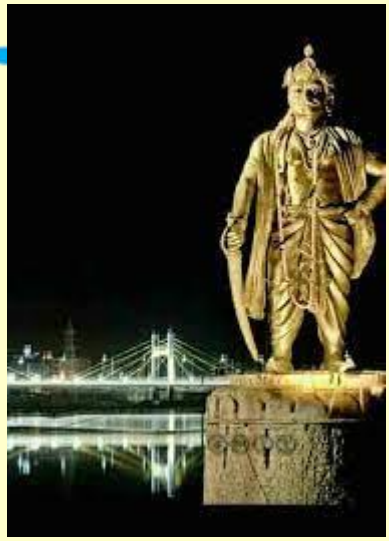

- Bhoja is best known as a **patron of arts**, **literature**, and **sciences**.
- In his Capital city of **Dhar**, he created a **great Sanskrit Centre of learning** called **Bhojshala.**

Bhoja wrote 84 books. The surviving works attributed to Bhoja include the following Sanskrit-language texts -

- **Bhujabala-bhima,** a work on astrology
- **Champu-Ramayana** or **Bhoja-Champu**, a re-telling of the Ramayana in **mixture of prose and poetry,** which characterises the champu genre.
- **Samarangana-Sutradhara**, a treatise on **architecture and iconography.**
- It details construction of **buildings**, **forts**, **temples**, **idols of deities** and **mechanical devices** including a so-called flying machine or glider etc

8. Write Short note on life of Shankar Dayal Sharma.

Shankar Dayal Sharma was a **Lawyer and Politician** born in **Bhopal, Madhya Pradesh**, served as the **ninth President of India.** Prior to his presidency, he had been the **eighth vice president of India** and also served as **governor of Maharashtra, Andhra Pradesh & Punjab.**

He also served as **Chief Minister of Bhopal State** and **cabinet Minister in Government of Madhya Pradesh** holding various portfolios like **education**, **Law**, **Public work**, **Industry and commerce** etc.

The **International Bar Association** presented Sharma with the **'Living Legends of Law Award** of Recognition for his **outstanding contribution to the legal profession internationally** and for commitment to the **rule of law**.

He had written a **poem on the Quran** during the 1970s which is highly regarded among the Hindi/Urdu-speaking Muslims of India and Pakistan.

9. Explain the work of Bhavani Prasad Misra as Hindi poet and author.

Bhawani Prasad Mishra was a **Hindi poet and author**, born in **Tigaria Village of Hoshangabad.** He was honoured with **Sahitya Akademi Award** in **1972** for his book **Buni Hui Rassi.**

Bhawani Prasad Mishra was **Gandhian in thought and deeds**. He was **deeply disturbed by the effect of colonization** of the country.

Some of the **notable works of Mishra** are-

Tus ki aag, **Kuchh neeti kuchh rajneethtti**, **Geetfarosh, Kathputli Kavita**, **Satpuda ke ghane jungle (poem), Ghar ki yaad (poem), Man Ek Maili Kameez Hai**, **Trikal Sandhya**.

10. Mention the Features of Pithora painting.

Pithora painting is **tribal art of Madhya Pradesh**. It is a **ritual painting** done on the **wall.** This is done by the **Rathwa** and **Bhilala tribes** residing in Madhya Pradesh.

The paintings are done on **three internal walls of their homes**. These canvases have importance in their lives and doing the Pithora paintings in their homes generates harmony, success and joy.

- Pithora Painting named after the god of the tribe – **God Pithora (Pithora Baba).**
- Pithora artist is known as **Lakhara**.
- Before painting, walls are prepared using the **mixture of cow dung and mud.**
- The paintings are **bordered within a rectangular space.**
- Uniqueness of original Pithora painting is that **no two painting are similar.**
- Artist leaves distinct marks on each of his painting to signify its **intellectual and creative rights.**

11. Discuss architecture of Sanchi stupa.

Sanchi Stupa also known as **Stupa No.1**, was commissioned by **Mauryan Emperor Ashoka**, in **3rd century BC**. The intention behind constructing this stupa was to **preserve and spread the Buddhist philosophy and Way of Life.**

Architecture of Sanchi Stupa

- It is **one of the largest Stupa** in India
- Its **Hight is 54 feet** and **diameter is 120 feet**.
- The main structure of the stupa is a **hemispherical dome** of simple design. The dome rests on a base, under which is a relic chamber.

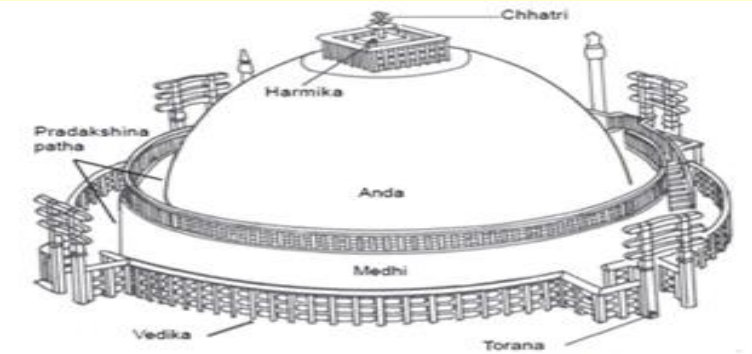

Structure outline of great stupa of Sanchi

- It was adorned with **three chhatris (umbrella like structure).** These three structures are said to stand for the **three jewels of Buddhism**, namely the **Buddha,** the **Dharma**, and the **Sangha.**

- There are **four gates facing all four directions.** Scenes from **Jataka stories**, events of Buddha's life, are **carved out on these ceremonial gateways.**

12. Explain religious importance of Shri Mahakaleshwar Temple in Madhya Pradesh and India.

Mahakaleshwar Jyotrilings is **one of the twelve Jyotrilingas** dedicated to lord shiva. It is located in **ancient city of Ujjain in Madhya Pradesh.** The temple is situated on the side of holy river **Shipra.** The idol of Mahakaleshwar is known to be **dakshinamukhi,** which means that it is **facing the south**. This is unique feature found only in Mahakaleshwar among the 12 Jyotirlungas.

Importance of Shri Mahakaleshwar Temple

- In the early part of the **Meghadutam (Purva Megha)** composed in the 4th century, **Kalidasa gives a description of the Mahakal temple.**
- The city of Ujjain was also one of the **primary centres of learning** for Hindu scriptures, called Avantika in the 6th and 7th centuries BC.
- Later, **astronomers and mathematicians such as Brahmagupta and Bhaskaracharya made Ujjain their home.**
- Also, as per the **Surya Siddhanta,** one of the **earliest available texts on Indian astronomy** dating back to the **4th century,** Ujjain is geographically situated at a spot where the **zero meridian of longitude and the Tropic of Cancer intersect.**
- In keeping with this theory, **many of Ujjain temples are in some way connected to time and space**, and the main Shiva temple is dedicated to **Mahakal**, the lord of time.

Due to all these Historical and cultural significance of Mahakal temple, Peoples from all over Madhya Pradesh and India visit Mahakaleshwar Temple regularly.

15 Marker

1. **Discuss the revolt of 1857 in Madhya Pradesh in detail.**

The **First war of Independence of 1857** was the **first agitation** of an **all-India Character.** It affected an **extensive region from Meerut to Kolhapur** and involved both Hindus and Muslims of the Country. Madhya Pradesh region also played its part in this agitation.

Movement started in Madhya Pradesh region

- Only a month after the start of the revolt in the Meerut-Delhi area, **the Sagar-Narmada territory and Nagpur were swept by its waves**.
- The growing sprit of Independence in the Sagar-Narmada territory could not be curbed easily.

Jhansi and Bundelkhand region

- Soon after the spread of the Revolt in Jhansi early in June ,1857, it spread like a wild fire in the **Sagar-Damoh region.** Almost the entire area north of Narmada was in arms against the British.
- The Rajas of **Banpur** and **Shahgarh** took leading part and got the Europeans of their areas imprisoned, but later on permitted them to go Sagar.

Jabalpur region

- By August, 1857 practically the **entire area to the north of Narmada,** expect Jabalpur and Mandala, was in the possession of the freedom forces.
- Soon after, these forces found in the **Gond Raja Shankar Shah** their leader in Jabalpur.
- This Raja belonged to the family of the brave **Rani Durgavati of Garha Mandla,** who had fought for the Independence of her kingdom against the Mughal army of Akbar.

Rani of Ramgarh

- The Rani of Ramgarh **Avanti Bai**, a small state in **Mandla district,** took heroic part in the freedom movement.

Rani Lakshmi Bai of Jhansi

- **Rani Lakshmi Bai of Jhansi** fought against British, her main associate was **Jalkari Bai**.
- She was one of the **leading figure** of the First war of Indian Independence of 1857 and **became a symbol of resistance to the British Raj for Indian nationalists.**

Other Important regions and their leaders who participated in the great revolt of 1857 from Madhya Pradesh-

- **Sheikh Ramzan – Sagar**
- **Fazil Mohammad Khan – Bhopal**
- **Meherban Singh – Narsinghpur**
- **Sahadat Khan – Mhow, Indore**
- **Raja Bakhtawar Singh – Amjhera, Dhar**
- **Tantya Bhil - Khargone**
- **Bhima Nayak - Western Nimar and Badwani**
- **Ranmat Singh- Rewa,**

<u>Causes of Failure of Revolt of 1857</u>

- **All-India participation was absent**
- **Lack of Unity** and Organisation
- **Personal rivalries** exist among the mutineers
- Despite the fact that **Nana Saheb, Tantia Tope, and Rani Lakshmi Bai were courageous** leaders, they were **unable to provide effective leadership to the movement as a whole**.

2. **Discuss the administration of Holkar dynasty under Ahilyabai Holkar. Also explain why she is also known as prolific builder and patron of Hindu temples.**

Ahilya Bai Holkar was the **hereditary noble queen of the Maratha Empire,** in early-modern India. She established **Maheshwar** (in Madhya Pradesh) as the seat of Holkar Dynasty

After the demise of her husband **Khande Rao Holkar** and **father-in-law Malhar Rao Holkar**, Ahilya Bai herself undertook the affairs of Holkar dynasty. She defended the **Malwa state** against intruders and **personally led armies into battle**, with **Tukoji Rao Holkar** as her military commander.

The Holkar family was known for **avoiding using public cash to meet their personal and family expenses.** They possessed their personal funds, which they had accumulated through their private property. Ahilyabai donated money from her personal resources to charity.

Ahilya Bai was a **great pioneer and builder of Hindu temples** who constructed **hundreds of temples and Dharmashalas throughout India.** She is especially renowned for **refurbishing & reconsecrating some of the most sacred sites of Hindu pilgrimage** that had been **desecrated & demolished** in the previous century by the **Mughal Emperor Aurangzeb.**

Ahilyabai Holkar was also known as prolific builder and patron of Hindu temples due to her following contribution-

The following structures were (re)constructed by Ahilyabai.

- **Amarkantak (Madhya Pradesh)-** Construction of Shri Vishweshwar Temple, Kotithirth Temple, Gomukhi Temple, Dharamshala & Vansh Kund
- **Aundha Nagnath Temple**, destroyed during Aurangzeb's conquests, rebuilt by Ahilyabai Holkar.
- **Ayodhya (Uttar Pradesh)–** Construction of Shri Rama Temple, Shri Treta Rama Temple, Shri Bhairava Temple, Nageshwar/Siddhnath Temple, Sarayu Ghat, well, Swargadwari Mohatajkhana & Dharamshalas
- **Badrinath (Uttarakhand)** – Construction of Shri Kedareshwar Temple and Hari Temple, Dharamshalas (at Rangdachati, Bidarchati, Vyasaganga, Tunganath,
- **Dwarka (Gujarat) –** Mohatajkhana, Pooja House and donation of some villages to the priests of the Dwarkadhish Temple
- **Ellora (Maharashtra) -** Commissioning the last layer of paintings decorating the shrine of Kailasanath Temple within the Ellora Caves
- **Gangotri –** Vishwanath, Kedarnath, Annapurna and Bhairav Temples, many Dharmashalas
- **Gaya (Bihar) –** Reconstruction of the Vishnupad Temple in 1787 which had been previously desecrated & demolished by Aurangzeb in 1669.
- **Varanasi (Uttar Pradesh)** – Reconstruction of the Kashi Vishwanath Temple in 1780 which had been previously desecrated, demolished & converted into a mosque by Aurangzeb in 1669.

The Great Maratha lady who affords the **noblest example of wisdom**, **goodness, and virtue.**

3. Explain Folk Music & Folk Dance of Madhya Pradesh with its regional significance.

Tribal population is dominant in Madhya Pradesh so folk/traditional Dance and music of Madhya Pradesh revolve around believe of these tribes. However different forms of music do co - exist harmoniously.

Folk Music of Madhya Pradesh

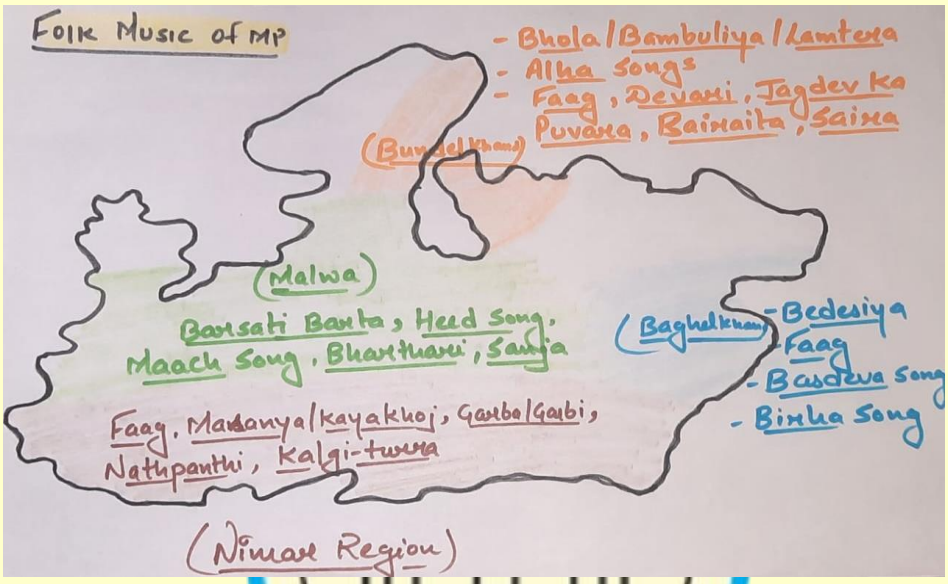

Folk Music of Madhya Pradesh	
Nimar Region	
Masanya/Kayakhoj	➢ Song of Death are called Masanya or Kayakhoj songs. ➢ These songs talk about the **Mortality of Body** and **Immortality of Sprit**.
Graba/Garbi/Gavalan	➢ Garba songs are women centric which are sung during the Navratri.
Nathpathi Songs	➢ These sung by the **Nathpanthi Jogis (saints),** Theme includes **Kabir**, **Gorakh** and **Bharthari tales.**
Kalgi-Turra	➢ This is a **competitive style of folk song.** ➢ It is sung all night on the beat of Chang.
Malwa Region	
Barsati songs	➢ These are **songs of Seasonal tales.** ➢ These are recited and sung during rains and continue throughout the Night.

Heed songs	➢ In Malwa, there is a **tradition of singing Heed song** in the month of **Sawan.**
Maach songs	➢ These are **folk drama songs/music** sung during **maach drama.**
Bharthari Songs	➢ These songs are **sung by Nath community** people on the beat of **Chinkara**.
Sanja songs	➢ These songs are sung by the young girls
Bundelkhand region	
➢ **Folk songs of Bundelkhna include – Alha /Bambuliya /Lamtera, Alha, Faag, Devari, Jagdev ka Puvara, Bairaita Songs** etc	
Baghelkhand	
➢ **Folk songs of Baghelkhand includes - Bedesiya, Faag, Basdeva, Birha.**	

Folk Dance of Madhya Pradesh

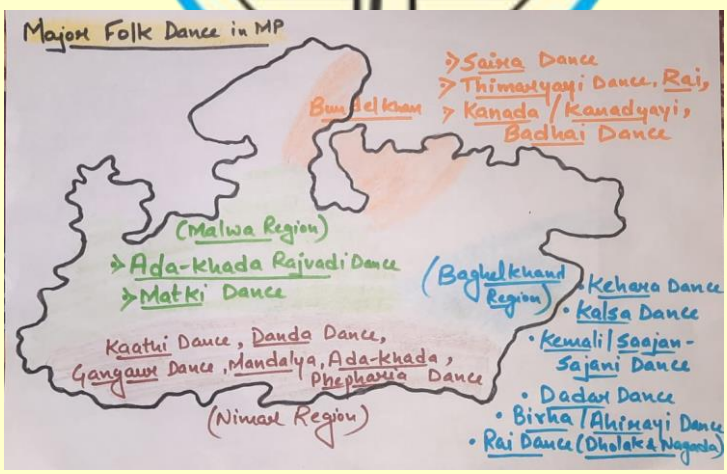

Folk Dance of Madhya Pradesh	
Nimar Region	
Kathi Dance	➢ It is a **popular drama of Nimar region.** ➢ This is a **festive dance** associative with **worship of goddess Parvati.**

Gammat	➢ Just before navadurga festival, there used to be **gammat in the villages**. ➢ Gammat is a **theatrical art of nimar region.**
Malwa Region	
Ada – Khada Dance	➢ It is specially performed in the occasion of Marriage
Matki Dance	➢ It is performed in the **occasions of Marriages,** engagement etc by the women on a special note of dhol or dholak called matki.
Bundelkhand Region	
Saira	➢ This is **Men Centric dance performed during the month of sawan.** ➢ It is performed by members of the peasant community to seek the blessings of **Lord Indra.**
Rai	➢ **Bundeli Rai** is the **traditional folk dance** of **Bundelkhand**. ➢ Rai means **mustard seed**. The way mustard seeds swings around in the saucer, the dancers also dance likewise on the beats of **nagadiya**, **dholak**, **jheeka**, **manjeera**, **harmonium**, **dhapli**, **lota**, **ramtoola** — all musical instruments of Bundelkhand.
Kemali/Sajan Sajni Dance	➢ Both Men and Women performed on the occasion of marriage. etc

KAUTILYA ACADEMY INDORE

4. **Khajuraho Dance festival is now gaining not only national but also international fame. Discuss. Also explain Importance of Khajuraho Dance festival in regional development.**

The **Khajuraho Dance Festival,** organised by the **Madhya Pradesh Kala Parishad**, is a **one-week festival** of **classical dances** held annually beside the Khajuraho temples in **Chhatarpur district of Madhya Pradesh** state in **central India**.

Festival highlights the richness of the Indian classical dance styles

This festival highlights the **richness of the Indian classical dance styles** such as **Kathak**, **Bharathanatyam**, **Odissi**, **Kuchipudi**, **Manipuri**, **Gaudiya Nritya**, and **Kathakali** with performances of some of the best exponents in the field. **Modern Indian dance** has been added recently.

The dances are performed in an **open-air auditorium**, usually **in front of the Chitragupta Temple** dedicated to **Surya (the Sun God)** and the **Vishvanatha Temple** dedicated to **Lord Shiva**, belonging to the western group.

Festival organised by

This dance festival is being organized with the **joint effort of Ustad Alauddin Khan Sangeet and Kala Academy, Madhya Pradesh Sanskriti Parishad** of Culture Department, **Madhya Pradesh Tourism Board**, **Archaeological Survey of India** and **District Administration Chhatarpur.**

It is the **topmost festival of the country focusing on Indian classical dance forms**, and is well known nationally and internationally

Gaining not only national but international fame

Ambassadors and High Commissioners of **8 countries attended** the family function to witness the performances of the **48th Khajuraho Dance Festival.** These include **ambassadors and high commissioners from Korea, Argentina, Vietnam, Brunei, Finland, Malaysia, Thailand and Lao.**

5. Write a detailed note on, "Brief History and Development of Tourism in Madhya Pradesh"

The **Undivided Madhya Pradesh** was founded on **1 November 1956.** Madhya Pradesh, in its **present form**, came into existence on **1 November 2000** following its **bifurcation to create a new state of Chhattisgarh.** Madhya Pradesh is also known as **"heart of India".** It has remained a historical importance all over the world.

Richest state in terms of painted rock shelters

- Madhya Pradesh is the **richest state in the country in respect of painted rock-shelters**, the majority of which have been found in the districts of **Sehore**, **Bhopal**, **Raisen**, **Hoshangabad** and **Sagar**.
- **Palaeolithic**, **Mesolithic**, **Neolithic**, **Chalcolithic** and **Iron Age Cultures** have flourished in the state along Narmada and other river valleys.
- **Evidences of earliest human settlements** have been found in **Bhimbethika** of **Raisen district**.

Important Pilgrimage Centre

- Madhya Pradesh has many **important pilgrimage centre**.
- While **Ujjain and Omkareshwar** have **special significance** due to Shrines having **two of the twelve jyotirlingas.**
- **Mandleshwar**, **Maheshwar**, **Hoshangabad**, **Chitrakoot** and **Amarkantak** are major centers of pilgrimages.

Perfectly preserved medieval cities

- **Perfectly preserved medieval cities** are some of the major attractions of the Madhya Pradesh.
- **Gwalior, Mandu, Datia, Chanderi, Jabalpur, Raisen, Vidisha, Indore and Bhopal** are the places well-known for their historical monuments.

Tourist Attractions

The major Tourist Attractions of the state are a judicious mix of archaeological wealth, scenic beauty, wildlife and pilgrimage. These centres are categorized as-

Khajuraho	• Temples of medieval period built by **Chandela dynasty**. • It is said to be the **hallmark of Indian temple architecture and sculpture**.
Sanchi	• **Sanchi in Raisen district** is a world-renowned Buddhist stupas, monuments, temples and pillars

Bhojpur	• The massive **Shiva Temple of Bhojpur** is known as the **Somnath of the East.** • It is a **10th Century temple** built by **Raja Bhoj Parmar**.
Mandu	• Known as the **"City of Joy",** it has **massive Afghan Monuments** of medieval period. • The plateau is studded with monuments of different shapes and sizes.
Orchha	• The **seat of Bundela Rajput kings** of Mughal period. • Located on the **banks of river Betwa**, it has the **best specimen of Bundelkhand architecture** and **painting of later medieval period**.
Gwalior	• It has a **towering citadel with medieval Rajput monuments** and **palaces of 14th century AD**. • It also has two of the World's biggest Chandeliers in the **Darbar Hall** of **Jaivilas palace,** crystal mini train in the dining hall and a palace museum.
Wildlife	• **Kanha National Park**, **Bandhavgarh National Park, Madhav National Park, Shivpuri, Pench National Park etc**
Scenic Beauty	• **Pachmarhi**, **Amarkantak** etc
Pilgrim Centres	• **Omkareshwar**, **Ujjain**, **Chitrakoot** etc

KAUTILYA ACADEMY INDORE

Promotion of the Arts and Crafts of Madhya Pradesh

Organization of Cultural Programme: -

- **Bhagoria Haat, Jhabua**
- **Khajuraho Festival of Dance**
- **All India Kalidasa Festival**
- **Nimar Utsav**, **Maheshwar**
- **Tansen Samaroh, Gwalior**
- **Lokrang, Bhopal**
- **Alauddin Khan Samaroh, Maihar**

Development of Eco/Adventure Tourism in Madhya Pradesh: -

- The Government of Madhya Pradesh had announced its **Eco & Adventure Tourism Policy.** It had, as one of its major objectives, to promote Eco & Adventure Tourism.
- Selected Activities for Development of Eco and Adventure Tourism in MP
- Camping, Trekking, Water sports, Elephant Safari, White Water Rafting, Rock Climbing

6. Write an essay on role of Art and Culture in promotion of tourism in state.

Culture represents a **set of shared attitudes, values, goals and practices and** plays an important role in the **development of any nation or state.**

The **pairing of art and culture with tourism can lead to economic development** by **bringing visitors to the area**, also contributing community wellbeing.

Studies have even shown that **cultural tourist spend more than other type of tourist** and **often stay longer in the communities.**

Madhya Pradesh is known as **Heart of the India** which is **blessed with richness of art and cultural heritage.** It is a **melting pot of diverse cultures of people** belonging to different religions, languages and cultures have lived and worked here. They have left their imprint in the form of **temples, stupas, palaces, literature** etc.

Benefits of Art and Culture in promoting tourism

- Arts and culture-related industries provide **direct economic growth** for the state and local communities.
- Arts and culture **create job opportunities** and also stimulates local economies through consumer purchases and tourism.
- Tourism cantered on culture and arts contribute greatly to state economic growth by providing attracting revenues.

The **cultural richness of MP** can be seen in various art forms. It is here only that we find the magnificent temples of **Khajuraho**, **Chitrakoot**, **Stupa of Sanchi**, **Mandu** etc

In MP, various arts and crafts have evolved over the time. These reflects folk art and culture and forms of important part of cultural heritage of MP.

Art and crafts include – Bamboo Craft of Jhabua and Mandala, **Leaf Craft**, **Terracotta**, **Wood craft**, **Bow and arrow making**, **Puppetry**, **Doll making of Gwalior**, **Chipa art**, **Maheshwari Saree**, **Chanderi sarees etc**

Culture and creativity manifest themselves in almost all economic, social and other activities. A State is symbolized by the plurality of its art and culture.